Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to ensure safety of people and protection of crops from wild animals in Uttarakhand

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार) ः मैं उत्तराखंड, हिमालय के राज्यों एवं वन बाहुल्य क्षेत्रों की वन्यजीव-मानव संघऐाऩ की गंभीर चुनौती की तरफ सरकार का ध्यान आकृऐट कराना चाहता हूँ। वन्यजीवों के कारण जहां सैंकड़ों लोगों ने अपनी जान गंवाई है वहीं फसलों को व्यापक नुकसान होने के कारण लोग वहां से पलायन के लिए मजबूर है। किसान, वन्यजीवों के आतंक के कारण खेती कर पाने में असमर्थ हैं। मजबूरी में लोग क्रॉप पैटर्न (फसल परिवर्तन) पर मजबूर हैं और उनके आगे भुखमरी की समस्या है।

मैं सरकार से मांग करना चाहता हूँ कि सरकार इस समस्या की गंभीरता को समझते हुए समस्त हितधारकों, नीति-निर्माताओं, केद्र एवं राज्य सरकारों, कानून विभाग, वन्य विभाग, कृऐि विभाग, मीडिया, गैर-सरकारी संगठनों में समन्वय स्थापित करते हुए कारगर अल्पकालिक, दीर्घकालिक कदम उठाए। इसके अतिरिक्त, सरकार सौर ऊर्जा आधारित तार-बाड़, भूमि उपयोग नियोजन, ईको टूरिज्म, पर्यावरण सेवा कर ग्रीन बोनस जैसे सुझावों पर शीघ्र अमल करें तथा किसानों को इस चुनौती से निपटने हेतु प्रशिक्षण देकर क्रॉप चेंज (फसल परिवर्तन) के लिए संसाधन उपलब्ध कराया जाना चाहिए एवं वन्य कानूनों में आवश्यक बदलाव किए जाने की अपील करता हूँ।